polling booth, the polling area will be clearly defined for future additions and deletions to that list. The additions to, and deletions from, the list will also be made in relation to a polling booth only.

(4) after such integration of the electoral rolls and the preparation of the rolls in relation to each polling booth, the rolls in manuscript from will be published in draft for public inspection and a summary revision of the electoral roll with reference to 1-1-1980 as the qualifying date will be undertaken simultaneously. The publication of the draft roll will be made either in the polling booth itself, as far as practicable or in a place in the polling area covered by the list.

(5) the claims and objections may be filed by individual electors to the rolls as will be published in draft within 15 days from the date of such publication. After the disposal of such claims and objections, the rolls will be printed and finally published; and

(6) the existing polling booths will be placed more or less on regular footing without any change in future, except when the number of electors assigned to such polling booths go beyond the manageable limits, in which case, an additional polling booth will be set up in the same premises or near about.

(c) The tentative dates fixed for final printing of the electoral rolls in respect of various States and Union territories is as follows:--

1. Bihar, Madhya Pradesh Maharashtra, Orissa, Punjab, Rajasthan, Tamil Nadu, and Uttar Pradesh .....30th April, 1980

2. Gujarat .....22nd March, 1980

3. All other States (except Assam and Meghalaya) and Union territories ....15th July, 1980

सिंधी भाषा में समाचार बुलेटिन प्रसारित करने का प्रस्ताव

14. **श्री भगवान देव :** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का विचार आकाशवाणी के भोपाल तथा इन्दौर केन्द्रों से सिंधी भाषा में भी समाचार बुलेटिन प्रसारित करने का है क्योंकि मध्य प्रदेश में बहुत से लोग सिन्धी भाषी हैं ;

(ख) यदि हां, तो ये केन्द्र कब तक सिंधी भाषा में समाचार बुलेटिन प्रसारित करना आरम्भ कर देंगे; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

सूचना और प्रसारण तथा पूर्ति और पुनर्वास मंत्री (श्री बसन्त साठे) : (क): जी, नहीं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

(ग) 1971 की जनगणना के अनुसार मध्य प्रदेश राज्य में सिन्धी भाषी जनसंख्या राज्य की कुल जनसंख्या का केवल 0.6 प्रतिशत है। इसके अलावा, मध्य प्रदेश में रहने वाले सिन्धी भाषी लोग सामान्यतया हिन्दी और उर्दू से परिचित हैं तथा वे इन समाचार बुलेटिनों को सुन सकते हैं। अतः आकाशवाणी के भोपाल और इन्दौर केन्द्रों से सिन्धी समाचार बुलेटिनों को रिले करना आवश्यक नहीं समझा गया है। फिर भी यह उल्लेखनीय है कि आकाशवाणी, भोपाल से हर रविवार को आधे घण्टे की अवधि का सिन्धी कार्यक्रम प्रसारित किया जाता है जिसे इन्दौर केन्द्र द्वारा भी रिले किया जाता है। इस कार्यक्रम में संगीत, कविता पाठ, वार्ताएं/परिचर्चाएं, रूपक नाटक, आदि शामिल हैं।

Supply of Coal to Maharashtra

15. SHRI UTTAMRAO PATIL: Will the Minister of ENERGY AND IRRIGATION AND COAL be pleased to state:

(a) what is the quantity of coal in tonnes, month-wise during the last six months supplied to the State of Maharashtra;

(b) whether Government have issued any directions to the State Government for the proper distribution of coal to the districts in Maharashtra; and

(c) if so, the details thereof and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF ENERGY AND IRRIGATION AND COAL (SHRI A.B.A. GHANI KHAN CHAUDHURI): (a) The quantity of coal supplied to Maharashtra State during August '79 to January '80 is indicated below:

'000 (tonns)

Month	
August '79	493
September '79	552
October '79	562
November '79	495
December '79	620
January '80	629

(b) No, Sir.

(c) Does not arise.

ऊर्जा उत्पादन

16. **श्री एन० के० शेजवलकर :** क्या ऊर्जा और सिंचाई तथा कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन महीनों में ऊर्जा उत्पादन की मात्रा क्या थी;

(ख) यदि उत्पादन में कमी हुई है तो तत्संबंधी कारण क्या हैं; और

(ग) इसके उत्पादन में वृद्धि के लिए क्या कदम उठाये जा रहे हैं ?

ऊर्जा और सिंचाई तथा कोयला मंत्री (श्री ए० बी० ए० गनी खान चौधरी) :

(क) दिसम्बर, 1979, जनवरी, 1980 और फरवरी, 1980 के महीनों के दौरान देश में हुआ कुल ऊर्जा उत्पादन नीचे दिया गया है : —

	सकल उत्पादन (मिलियन युनिट)	दैनिक औसत उत्पादन (मिलियन यूनिट)
दिसम्बर, 1979	8535	275.3
जनवरी, 1980	8913	287.5
फरवरी, 1980	8233* (अनन्तिम)	283.9

(ख) फरवरी, 1980 के दौरान औसत दैनिक उत्पादन में सीमान्त कमी के मुख्यत: निम्न कारण हैं :—

(1) 27-1-80 से कोटा के परमाणु विद्युत सुयंत्र यूनिट की बंदी ;

(2) फरवरी, 1980 के दौरान ताप उत्पादन युनिटों की अधिक मात्रा में जबरन बंदी ;

(3) जल विद्युत केन्द्रों से उपलब्धता मे कमी ।

(ग) देश में विद्युत की उपलब्धता को सुधारने के लिए कई काम उठाए जा रहे हैं । इनमें नई उत्पादन क्षमता में अभिवृद्धि करना, वर्तमान प्रतिष्ठापित क्षमता से अधिकतम उत्पादन करना, अधिक विद्युत वाले राज्यों से कमी वाले राज्यो को विद्युत स्थानान्तरण करना और ताप विद्युत केन्द्रो को पर्याप्त मात्रा में कोयले की सप्लाई की व्यवस्था करना, आदि शामिल हैं ।

Coal Situation

17. SHRI M. RAM GOPAL REDDY: Will the Minister of ENERGY AND IRRIGATION AND COAL be pleased to state:

(a) whether it is a fact that coal situation in the country is in doldrums; and

(b) if so, steps taken to improve the situation?

THE MINISTER OF ENERGY AND IRRIGATION AND COAL (SHRI A.B.A. GHANI KHAN CHAUDHURI): (a) The estimated coal production in the current year is about 104.3 million tonnes. The target of production for the year could not be achieved due to inadequate power supply to collieries, shortage of diesel and explosives, the disturbed law and order situation in the Bengal-Bihar coal-fields and other constraints. However, pithead stocks in the collieries have increased from a level of 9.85 million tonnes at the end of February, 1979 to 12.8 million tonnes at the end of February, 1980. Despatches to consumers have been adversely affected due to transport bottlenecks.